

पाती पढ़ के राधा के

पाती लेके श्याम की,
उद्धव जी गए आय,
पाती राधा के तुरंत,
दीन्हीं हाथ थमाय।

पाती पढ़ के राधा के यूँ,
पाती पढ़ के राधा के यूँ,
बरसे ऐसे नैन, के मानो,
यमुना में बाढ़ आ गई,
यमुना में बाढ़ आ गई।

पढ़कर के पाती राधा रोई,
नैनन की निंदिया हाय खोई,
बोली मन मोहन के जैसा मैने,
हरजाई देखा नहीं कोई,
परसों की कह के बरसों बीते,
कर डाला बेचैन, के मानों,
यमुना में बाढ़ आ गई,
यमुना में बाढ़ आ गई।

दर्शन की मैं तो हूँ दिवानी,
सूरत कान्हाँ की मन लुभानी,
प्यारे मन मोहन ने उधो मेरी,
बिलकुल कदर ना जानी,
बिरह सतावे नींद ना आवे,
तड़पत हूँ दिन रैन, के मानों,
यमुना में बाढ़ आ गई,
यमुना में बाढ़ आ गई।

आएँगे जो ना साँवरिया,
लेंगे अगर ना खबरिया,
उधो कहना श्याम से तुम जाके,
रो रो के हो जाऊँ बाँवरिया,
श्याम विरह के गीत बिजेन्द्र,
लिखते लेकर पैन, के जानों,
के समझों, के मानों,
यमुना में बाढ़ आ गई,
यमुना में बाढ़ आ गई।

पाती पढ़ के राधा के यूँ,
पाती पढ़ के राधा के यूँ,
बरसे ऐसे नैन, के मानो,

यमुना में बाढ आ गई,
यमुना में बाढ आ गई.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23385/title/paati-parh-ke-radha-ke>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |